

चाची की चूत में खाता खोला

“मेरी चाची जवानी में विधवा हो गयी तो उदास रहने लगी. मैंने उनकी उदासी का कारण जान कर उनकी मदद की, चाची ने मुझे चुदाई करनी सिखाई. आप पढ़ कर मजा लें कि चाची की चूत के बाद मैंने किस की चूत में अपना दूसरा खाता खोला. ...”

Story By: (storyline)

Posted: रविवार, मई 27th, 2018

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [चाची की चूत में खाता खोला](#)

चाची की चूत में खाता खोला

नमस्कार दोस्तो, कुछ यादें हमेशा के लिए एक याद बनकर रह जाती हैं, कभी कभी दुःख या खुशी के कुछ पल याद बनकर आपके दिल के किसी कोने में हमेशा के लिए बस जाते हैं आखिर बसें क्यों ना ; आखिर आपने उन्हें जिया और जीकर देखा जो है ऐसा कि एक सुनहरा पल या याद का एक पहलू मैं आपके सामने पेश कर रहा हूँ.

सोचता हूँ काश आपको भी यह अन्तर्वासना कहानी पसंद आ जाए।

याद के इस पहलू में मेरी उम्र 18 साल थी ; मेरी जिंदगी मेरे दोस्तों और रिश्तेदारों और मेरी पाठ्य पुस्तकों के बीच बड़ी शांति से चल रही थी. दोस्तों के नाम पर केवल एक लड़का और मेरे घर में मेरे माता पिता के अलावा चाचा चाची की दो बच्चों की फैमिली भी थी. चूँकि मैं सबसे बड़ा बेटा था तो मुझे सबका स्नेह मिलता था.

फिर मेरी 12वीं हुई और मैं गाँव से ग्वालियर कॉलेज के लिए रहने लगा.

तभी कुछ दिनों के भीतर ही हार्ट अटैक में चाचा की मौत हो गई, सभी बहुत दुखी हुए लेकिन इस पर किसका जोर चल सकता है.

करीब एक साल बाद तक सब नार्मल हो गया, चाची अपने बच्चों के साथ झाँसी रहने लगीं, एक स्कूल ने उन्हें प्रिंसीपल की जॉब भी ऑफर की.

चूँकि चाची हमेशा से मेरी सबसे अच्छी दोस्त और गाइड थीं तो मैं उनसे मिलने जाता रहता था. लेकिन अब उनके चेहरे पर वो रौनक नहीं रही थी तो मैंने एक दिन उनसे पूछ लिया- क्या प्रॉब्लम है चाची... आप पहले की तरह खुश नहीं रहतीं ?

तो वो बोलीं- ऐसी कोई बात नहीं है !

फिर भी मैंने जिद की तो वो बोलीं- अभी तू बहुत छोटा है, नहीं समझेगा !

तो मैं बोला- चाची मैं छोटा नहीं हूँ, कुछ महीनों बाद 19 साल का हो जाऊंगा और सब समझ सकता हूँ !

वो बोलीं- देख, जब तेरे चाचा थे तो मेरा भरपूर ख्याल रखते थे और मेरी इक्षाओं का आदर करते थे. लेकिन अब मेरी जिंदगी से शारीरिक इक्षाओं का वो समय पूर्णतः गायब हो गया है.

मैं बोला- अरे बाप रे ! इतनी जटिल हिंदी ? कुछ अपनी भाषा में कुछ समझाओ, तब कुछ मेरे पल्ले पड़ेगा !

तो चाची बोलीं- इसमें समझाना कैसा ? तेरे चाचा थे तो मेरी सेक्स लाइफ चालू थी जो अब पूरी तरह से बंद पड़ गई है ।

फिर मैं बोला- इसका कोई उपाय तो होगा ?

तो वो बोलीं- है... लेकिन मैं किसी बाहरी व्यक्ति को मेरी निजी जिंदगी में लाना नहीं चाहतीं !

मैं बोला- कोई नहीं, चलो कोई अंदर का आदमी ले लो !

तो चाची बोलीं- अंदर का कौन ? तू भी ना कुछ भी बोलता है ! अंदर कोई हो तब ना !

मैं बोला- अगर मैं किसी काम आ सकूँ तो जरूर बताना ?

तब चाची बोलीं- तू काम आ तो जाता लेकिन मैंने बोला था कि तू अभी छोटा है, सब कुछ नहीं जानता होगा !

तो मैं बोला- उसमें कौन सी बड़ी बात है, आप सिखाना और मैं सीखता जाऊंगा !

चाची बोलीं- चल बता, सेक्स के बारे में क्या क्या जानता है ?

मैंने अपना मोबाइल निकाला और एक अच्छी सी पोर्न वीडियो प्ले करके उनके सामने रख दी और बोला- इतना तो मैं भी कर सकता हूँ !

तो वो बोलीं- चल तो तेरे पहले से मिल चुके ज्ञान को और बढ़ाते हैं !

और चाची मुझे अपने बेडरूम में ले गई, बेड पर बैठ कर बोलीं- दूध पिएगा ?

मैं बोला- क्यों नहीं !

तो उन्होंने मेरा एक हाथ पकड़ कर अपने एक स्तन पर रख दिया और बोलीं- चल तो बिना किसी देरी के पी ले !

पहले मुझे थोड़ी सी शर्म आई लेकिन फिर जैसे जैसे मैं चाची की चूची को शर्ट के ऊपर से अपने दोनों हाथों से दबाता गया, मेरी हिम्मत बढ़ती गई. चूँकि ये सब अनुभव मेरे लिए नया था तो मैं सब काम बड़ी तसल्ली से कर रहा था.

कुछ देर बाद उन्होंने शर्ट उतार दिया और सलवार ब्रा में आ गई. जिसमें से ब्रा मैंने निकाल दी और उनके बोंबों को किसी छोटे बच्चों की तरह चूसने और दबाने लगा.

फिर कुछ देर बाद उन्होंने मेरे पूरे कपड़े उतरवाए और मुझे सीधा लिटा कर मेरे आधे खड़े हुए लिंग को अपनी उंगलियों से छेड़ने लगी. मुझे थोड़ी गुदगुदी हो रही थी, थोड़ी ही देर में मेरा छोटा सा नुन्नु बड़ा हो गया.

तब चाची बोलीं- कभी हाथ का प्रयोग किया है ?

मैं बोला- हाँ, लेकिन कभी इतना बड़ा नहीं हुआ था !

तो चाची बोलीं- अभी क्या, अभी तो केवल शुरुआत है !

और उन्होंने पहले तो मेरे लिंग की लंबाई मापी, फिर अपने हाथों से हल्का सा मुठिया कर अपने मुँह में लेकर लॉलीपॉप के जैसे चूसने लगीं. इस काम में मुझे एक अलग सा अहसास हो रहा था.

कुछ सेकेण्ड के बाद ही एक अजीब से तीव्र अहसास के बाद मेरे लिंग से कुछ निकला जो कि मेरा पहली बार था.

फिर वो भी पूरी नग्न हो गई और पैर फैलाकर मेरी और योनि करके सीधी बैठ गई. जब तक चाची कुछ समझतीं, मैं वीडियो की तरह उनकी योनि को चाटने लगा, एक अजीब से स्वाद और गंध के साथ मैं उनकी योनि को चूसता रहा वो भी मुझे शाबासी देने लगीं और मेरे बाल पकड़ कर मेरा मुंह अपनी योनि पर दबाने लगीं.

कुछ ही मिनटों में चाची ने भी वही गरमा-गरम पानी छोड़ दिया जिसे मैंने तौलिये से साफ किया.

फिर उन्होंने मुझे मेरे होंठों को अपने होंठों में लेकर एक अच्छा किस करना सिखाया.

अगली बार कुछ समय के बाद मेरा लिंग दोबारा से बड़ा हो गया जिसको उन्होंने तेल लगाकर अपनी योनि में धीरे-धीरे डालने को कहा और पैर हाथों से पकड़ कर अपने कूल्हों को उठा कर बेड पर सीधी बैठ गई और मैं उनके कहे अनुसार तेल लगा कर अपने लिंग को उनकी योनि में डालने की कोशिश करने लगा जिसमें भी चाची ने काफी मदद की और लिंग के आगे का उभरा हुआ भाग चाची की चूत में घुस गया.

मुझे थोड़ी सी तकलीफ हुई लेकिन वो बोलीं- हल्का सा अंदर की ओर धक्का मार ! तो मैंने जल्दबाजी में जोर से धक्का मार दिया जिससे वो 6 इंच का नपातुला लिंग पूरा अंदर घुस गया, मुझे फिर दर्द हुआ तो वो बोलीं- कहा था ना धीरे कर... पहली बार में दिक्कत होगी ! अब रुक... जब सब ठीक लगे तब इसे आगे पीछे करना !

लेकिन मैं नहीं माना और उस तकलीफ में ही आगे पीछे करने लगा और कुछ दो पांच धक्कों में ही फिर से वही पानी छोड़ गया और लिंग को उनकी योनि से बाहर निकाला. लिंग का सिरा आगे से फूला हुआ था थोड़ा बहुत खून भी लगा था तो चाची बोलीं- टांका टूटा है... चल इसे धोकर आ ! और ये पेनकिलर लेकर थोड़ी देर सो ले !

तो मैं सो गया, उन्होंने उंगली से अपना पानी निकाला।

रात को डिनर के बाद उनके बच्चों को दूसरे कमरे में सुला कर हमने दोबारा कोशिश की लेकिन इस बार सब कुछ शानदार तरीके से आराम के साथ बिना कोई तकलीफ हो गया.

कुछ और दिनों में चाची ने मुझे चुत चुदाई का परफेक्ट खिलाड़ी बना दिया.

आज लगभग तीन साल से मैं उनकी निरंतर सेवा कर रहा हूँ, इससे अब चाची भी खुश रहतीं हैं लेकिन हम बार बार लगातार कैसे मिल सकते थे.

मैं झाँसी जाता था, मस्ती करता था और वापस आता था तो क्या कभी किसी ने मुझे टोका नहीं ?

तो इसका जबाब है- हाँ टोका ना, और टोकने वाला था कौन ? तो वो थीं मेरी पुरानी स्कूल टीचर जिन्होंने अपनी मर्जी से कभी भी शादी ना करने का फैसला ले रखा था. वो अक्सर क्या, हर बार मुझे बस या ट्रेन में मिल जातीं और आधे रास्ते तक मुझे परेशान करतीं रहतीं !

आखिर मैं करता भी क्या... स्कूल में उनका बेस्ट स्टूडेंट जो था मैं !

टीचर बार बार मुझसे एक ही सवाल पूछतीं- तू ये बता कहाँ जाता रहता है बार-बार ? मैं या तो टाल देता या फिर बताना पड़ता की झाँसी !

तो टीचर पूछतीं- झाँसी क्यों ?

तो मैं बोलता- चाची है न, अकेली रहतीं हैं, उनकी थोड़ी हेल्प होगी, यही सोच कर मैं आता रहता हूँ !

लेकिन एक दिन वो बोलीं- ऐसी कुछ घंटों की कैसी हेल्प जो तू सुबह जा के शाम तक या दूसरी सुबह वापस आ जाता है ?

तो मैं बोला- छोड़ो ना, आप भी क्या एक ही बात को लेकर बैठ गई ?

वो बोलीं- सच सच बता ? दाल में कुछ काला है क्या ?

तो मुझे बताना पड़ा कि दाल में कुछ काला नहीं बल्कि कुछ सफ़ेद ऊपर से डाला गया है जिससे दाल खराब ना हो ! और आप तो जानतीं होंगीं एक औरत की जिंदगी बिना हस्बैंड के कैसे कटेगी.,

वो बोली- क्यों ? मेरी तो मस्त चल रही है !

तब मैंने मजाक में कहा- आपने तो अभी तक खाता खोला ही नहीं होगा ?

तो वो बोलीं- किस चीज का ?

मैं बोला- आप ने शादी नहीं की तो आप क्या समझोगी !

वो बोलीं- अच्छा और तुम्हारी हो गई ?

मैं बोला- नहीं !

तो वो बोलीं- सुन... मैं सब जानती और सब समझती हूँ और रही खाते की बात... तो बैंक तो तैयार है बस कोई ऐसा खाताधारक ही नहीं है जो सारी पॉलिसी का ध्यान रखे !

मैं बोला- स्कूल में कितने लोग आप पर फ़िदा थे, कई तो हिलाए भी होंगे और आपका कहना कि कोई खाताधारक नहीं मिला ?

तो वो बोलीं- स्कूल में कभी गौर नहीं किया !

मैं बोला- मैंने तो अपने पैसे को चाची के पास सुरक्षित रख रखा है और बार-बार इंट्री भी लेता रहता हूँ !

तो टीचर बोलीं- अगर मेरा बैंक ज्यादा ब्याज और फायदा दे तो ?

मैं बोला- दूसरा अकाउंट खोल लेंगे, आप बता देना कब सिस्टम तैयार है, मैं मशीन में अपना एटीएम लगाकर देख लूंगा !

और बात यही समाप्त हुई और ये तय हुआ कि मैं झाँसी से लौटते वक्त दतिया में उनसे

मिलूँ. मैंने उनका पता लिया और अपने रास्ते चला गया, वो भी दतिया उतर गई.

शाम को झाँसी से मस्ती करने के बाद में दतिया उनके बताए पते पर पहुंचा और दरवाजे की घंटी बजाई उन्होंने दरवाजा खोला और बोलीं- आधार तो ले कर आए हो ना ?

तो मैं बोला- पुरानी बैंक से आ रहा हूँ आधार, पैन सब तैयार है!

और हम अंदर गए.

मैंने उनसे पूछा- सच में क्या अभी तक किसी ने खाता नहीं खोला ?

तो टीचर बोलीं- नहीं... कॉलेज टाइम में था एक आशिक जिसको मैं पसंद करती थी, वही था एक इकलौता ग्राहक... उसने मुझे धोका दिया और जिंदगी ने उसे ! खैर अब छोड़ो पुराने लोगों को और कुछ नई कहानी बनाओ।

तो मैंने उनका हाथ पकड़ा और उन्हें उनके बेडरूम में ले गया और उन्हें बेड पर बिठा कर उनके होंठों को अपने होंठों में लेकर चूसने लगा. उन्होंने भी मेरा साथ दिया और अपने हाथों से अपना कुर्ता उतार कर मेरे हाथ की हथेलियों को अपने बोंबों पर रख दिया जिन्हें मैं ब्रा के ऊपर से ही मसलने और दबाने लगा.

मैंने भी अपनी पैंट उतार कर अपने लिंग को उनके हाथों में दे दिया.

पहले तो उन्होंने पूछा- क्या इसे मुँह में लेना पड़ेगा ?

तो मैं बोला- जैसी आपकी इक्षा !

तो उन्होंने उसे हाथों से खिलाने की बजाये अपने मुँह में लेकर एक बड़े ही कामुक अंदाज में अपनी जीभ से खिलाया.

मेरी टीचर के बोबे भी बड़े शानदार थे जैसे उन्हें किसी सांचे में ढाल कर बनाया गया हो !

जब उनका लिंग चूसना खत्म हुआ तो मैंने उन्हें पूरी तरह से नग्न किया और उनके

अतिकामुक बदन को सहलाते हुए बोला- आप अब तक कहाँ थीं और आप पर किसी की नजर क्यों नहीं पड़ी ? हिंदी ब्लू फिल्मों में बहुत सी भारतीय लड़कियों को कपड़े उतारते देखा लेकिन आप सबसे स्पेशल हो !

और उनको सीधा लिटा कर उनकी योनि में उंगली करते हुए उनके बूब्स को चूसने लगा.

जब मैं उनकी योनि के बीच वाले उभरे हुए भाग को अपनी उंगलियों से छेड़ता तो टीचर जी एकदम सिहर जातीं और कस कर मेरे बाल पकड़ लेतीं. जब मेरा मन उनके बोंबों से भर गया तो मैं अपना मुँह उनकी योनि पर ले गया और उनके तड़पते देखते हुए उनका पानी निकलवाया और बिना कुछ बोले बताए मैंने अपने लिंग को उनकी रिसती हुई योनि में डाल दिया जिससे उन्हें थोड़ी तकलीफ हुई.

टीचर की चूत अंदर से बड़ी मुलायम थी, जिसे चोदना मैंने शुरू किया. चूँकि वो अभी अभी निढाल हुई थी, जिससे उन्हें कुछ दिक्कत हुई शायद वो कराह रहीं थीं लेकिन मुझे रोकने की बजाय और ज्यादा उत्तेजित कर रहीं थीं तो मैं भी पूरे जोश और होश के साथ धक्के लगाने लगा.

उधर वो चीखती रहीं.

थोड़ी देर बाद जब उनकी चीखें मादक कराहों में बदलीं, धीरे धीरे उनकी योनि में जोश वापस आया और वो कुछ जरूरत से ज्यादा टाइट हो गई जिससे मुझे धक्के देने में दिक्कत हुई तो उन्होंने मुझे नीचे लिटाया और मेरे लिंग को अपनी योनि में डाल कर मेरे ऊपर बैठ गई और किसी पोर्नस्टार की तरह अपनी कमर को उछालते हुए चुदने लगीं.

जब हम दोनों अपनी चर्म सीमा पर पहुंच कर पूर्णतः संतुष्ट नहीं हुए, यों ही स्थितियाँ बदलते हुए लगे रहे और अंत में दोनों एक दूसरे से अलग हुए।

मेरी ये यादें यहीं समाप्त नहीं होंगी क्योंकि कहानी खत्म हुई लेकिन इनसे जुड़ी कुछ यादें

और कुछ लोग अभी बाकी है।

आपको मेरी यह कहानी पसंद आई या नहीं ? अगर इसमें कोई कमी रही हो तो मुझे जरूर बतायें !

मेरा मेल आईडी है- storyline832@gmail.com





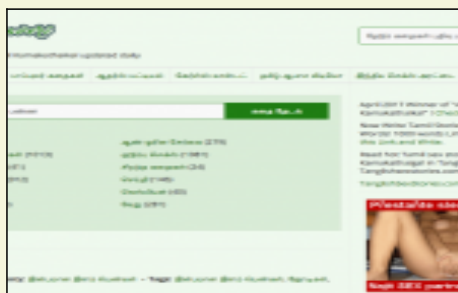
Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie



URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Tamil Kamaveri



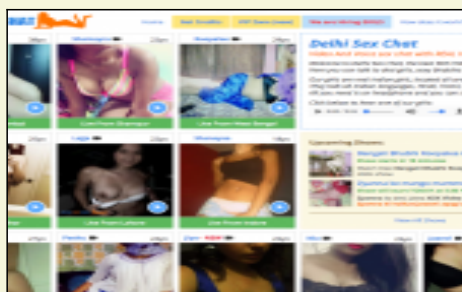
URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Clipsage



URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Delhi Sex Chat



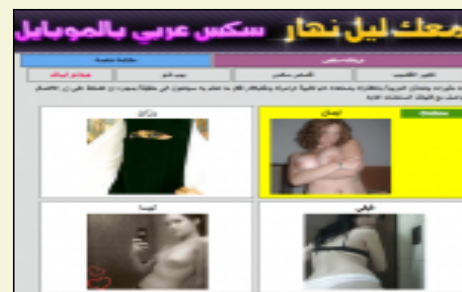
URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Indian Gay Site



URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Arab Phone Sex



URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5\$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).